**भारत सरकार**

**शहरी विकास मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं0 155**

**5 दिसम्‍बर, 2013 को उत्तर के लिए**

**}kjdk&utQx<+ esVªks ykbu dk foLrkj**

**155- Jh jke d`iky ;kno%**

**D;k 'kgjh fodkl ea=h ;g crkus dh d`ik djsaxs fd%**

**¼d½ }kjdk&utQx<+ esVªks ykbu ds foLrkj dh orZeku fLFkfr D;k gS] D;k Mh,evkjlh ds ikl bl foLrkj ykbu ds foLr`r ifj;kstuk izfrosnu ¼Mhihvkj½ ds la'kks/ku ds fy, dksbZ izLrko gS(**

**¼[k½ ;fn gka] rks os izLrko D;k gSa vkSj D;k Mh ,e vkj lh dks ;g ;dhu gS fd bls iwjk djus dk dk;ZØe ogh gksxk ftldh iqf"V igys Hkh dh tk pqdh gS vFkkZr~ o"kZ 2015( vkSj**

**¼x½ D;k Mh-,e-vkj- lh dh bl ykbu@LVs'ku dks >M+kSnk jksM utQx<+ fLFkr Mh Vh lh VfeZuy ds cxy rd ys tkus dh dksbZ ;kstuk gS D;ksafd ogka dkQh ljdkjh tehu miyC/k gS rFkk blls esVªks ds lkFk&lkFk Mh Vh lh dh lqfo/kkvksa ls csgrj laidZ miyC/k gksxk( rRlaca/kh C;kSjk D;k gS\**

**उत्तर**

**शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री**

**(श्रीम‍ती दीपा दासमुंशी)**

1. और (ख): सरकार पहले ही द्वारका से नजफगढ़ तक दिल्‍ली मैट्रो के विस्‍तार हेतु स्‍वीकृति दे चुकी है। विस्‍तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) में यथा-प्रस्‍तावित मूल एलाइन्‍मेंट द्वारका से नजफगढ़ तक पूर्णरूपेण भूमोपरि था जिसमें बहुत सारी निजी संपत्तियों को गिराया जाना शामिल था। दिल्‍ली मैट्रो रेल कारपोरेशन लिमि0 (डीएमआरसी)का प्रस्‍ताव है कि एलाइन्‍मेंट को नजफगढ़ डिपो स्‍टेशन के बाद म्‍यूनिसिपल कारपोरेशन स्‍टेशन तक आंशिक रूप से भूमिगत करने हेतु संशोधित किया जाए। भूमिगत मैट्रो को पूर्ण करने में भूमोपरि से अधिक समय लगता है। डीएमआरसी ने सूचित किया है कि एलाइन्‍मेंट के भूमोपरि भाग के लिए निविदाओं को अंतिम रूप दे दिया गया है और दिनांक 09.09.2013 से कार्य शुरू हो चुका है। यह कॉरीडोर चरण-।।। के कॉरीडोर के साथ-साथ वर्ष 2016 तक पूर्ण हो जाएगा।

(ग): जी नहीं।

\*\*\*\*\*